



मौसेरी बहन की कुँवारी चूत

“मेरी मौसी की बेटी हमारे यहाँ रहने आयी तो मेरे रूम में सोई. दीदी का मस्त बदन देख मेरे अंदर का शैतान जाग गया और मैंने आँखों से ही उनको चोदना शुरू कर दिया। भाई बहन की असली चुदाई कैसे हुई, कहानी में पढ़ें!...”

Story By: (Aarya99)

Posted: Wednesday, June 20th, 2018

Categories: [भाई बहन](#)

Online version: [मौसेरी बहन की कुँवारी चूत](#)

मौसेरी बहन की कुंवारी चूत

अन्तर्वासना के सभी पाठकों को मेरा नमस्कार, सलाम एवं सभी पाठिकाओं को मेरे भुजंग का प्रणाम।

मेरा नाम आर्य है और मैं दिल्ली का रहने वाला हूँ। मैं एक गोरा हैंडसम बंदा हूँ, मेरी हाइट 5'11" है और मेरा लंड 7" लंबा और 3" मोटा है और उसका भी रंग हल्का सांवलापन लिए हुए है।

दोस्तो, मेरा सेक्स से परिचय काफी कम उम्र में हो गया था और मैंने मुठ मारना पोर्न देखना तभी से चालू किया था। जब मैं पढ़ाई कर रहा था, उन्ही दिनों मेरी मौसी की छोटी बेटी जिनका नाम गौरी है, हमारे यहाँ रहने आयी। दरअसल गौरी दीदी ने उसी साल बारहवीं पास की थी और आगे की पढ़ाई के लिए हमारे यहाँ आ गयी थी। वो मुझसे बड़ी थी।

गौरी दीदी का फिगर... दोस्तो, मैं क्या कहूँ, एकदम गुलाबी दूधिया रंग और फिगर 32" 26" 34" उनकी हाइट लगभग 5'4" है। जब वो हमारे यहाँ आयी तो उनके रहने का इंतज़ाम मेरे ही कमरे में किया गया, मैंने इसका विरोध किया क्योंकि मेरी आदत थी कि जब भी मन किया मैं लंड निकाल के हिलाने लगता।

पर मेरी मम्मी ने एक नहीं सुनी, आखिर गौरी दीदी का सिंगल बेड मेरे ही कमरे में लग गया।

जब गौरी दीदी आयी तो उन्होंने ब्लू जीन्स और वाइट शर्ट पहनी थी। उनका मस्त बदन देख मेरे अंदर का शैतान जाग गया और मैंने आँखों से ही उनको चोदना शुरू कर दिया। मुझे सबसे प्यारी चीज़ उनके लिप्स और चूतड़ लगे ; उठी हुई भरी भरी 34" की गांड।

खैर चूँकि वो शाम को आयी थी तो जल्दी ही सब लोग खाना खा कर टीवी देखने लगे।

मेरी और गौरी दी की मुलाकात कई साल बाद हुई थी, बचपन में मेरी और उनकी बहुत बनती थी ; उम्र में ज्यादा फर्क न होने से हम दोनों साथ साथ खेलते थे ।
तो मैं और गौरी दी छत पर जा कर बचपन की बातें करने लगे ।

थोड़ी देर में उन्हें नींद आने लगी और वो बोली- चलो आर्य, सोते हैं ।
मैंने कहा- ठीक है.
और हम दोनों कमरे में आ गए ।

दीदी बोली- मैं चेंज कर लेती हूँ.
और वो कपड़े ले कर बाथरूम में चली गई ।

जब वो चेन्ज करके आयी तो मैं उन्हें देखता रह गया, उन्होंने स्कर्ट टॉप पहन रखा था ।
स्कर्ट जांघों तक थी तो उनके गुलाबी पैर चमक रहे थे, पैरों पर एक भी बाल नहीं एकदम चिकने भरे हुए गुलाबी सुडौल पैर ।
मेरी नज़र उनके चूचों पर अटक गयी ; शायद उन्होंने ब्रा उतार दी थी तो उनके चलने से वो जेली की तरह हिल रहे थे, उनकी शेप देख मेरा लंड सलामी देने लगा ।

दीदी ने मुझे उन्हें घूरते पाया तो बोली- क्या देख रहे हो इतनी गौर से ?
मैं पहले तो हड़बड़ा गया पर जल्दी ही सँभलते हुए बोला- आप तो गज़ब की सुन्दर हो गयी हो, मोहल्ले में क्रल्ल-ए-आम हो जाएगा ।
वो हँसने लगी और बोली- अच्छा जी, तो आप शायर भी हो गए हैं ।

वो अपने बेड पर लेट गयी और इधर उधर की बातें करते हुए उन्होंने अचानक पूछा- तुमने कोई गर्लफ्रेंड बनायी या नहीं ?
मैंने झेंपते हुए कहा- मैं तो अभी छोटा हूँ, गर्लफ्रेंड तो बड़े लड़के बनाते हैं ।
उन्होंने हंसते हुए कहा- जब बाँडी पर बाल उग जाये तो कोई बच्चा नहीं होता ।

मैंने चौंक कर उनकी तरफ देखा तो उन्होंने जल्दी से कहा- अरे, तुम्हारी भी तो दाढ़ी मूछ आ गयी हैं।

खैर जल्दी ही हम दोनों सो गए।

रात को अचानक मेरी आँख खुली तो मैं उठ कर बाथरूम की साइड जाने लगा। तभी मेरी नज़र दीदी की तरफ गयी, मेरी आँखें फटी रह गयी, नज़ारा ही ऐसा था दोस्तो! दीदी की चादर एक तरफ हो गयी थी, उनकी स्कर्ट ऊपर को चढ़ कर चूतड़ों से ऊपर खिसक गयी थी, सफ़ेद रंग की लेसेज़ वाली फैसी पैंटी में से दो बड़े बड़े गुलाबी खरबूज़ झांक रहे थे। केले के तने जैसी गुलाबी जाँघें... वाह मेरी तो नींद ही उड़ गयी। मैं बाथरूम से जल्दी जल्दी लौट आया।

दीदी ने मेरी तरफ पीठ की हुई थी, मैं पहले तो अपने बेड से उनके शानदार चूतड़ देखता रहा, फिर मैं उठा और दीदी के बेड के पास फर्श पर बैठ गया। अब दीदी के चूतड़ एकदम मेरे चेहरे के पास थे।

मैंने हल्के से अपने हाथ दीदी की गांड पर रखे... ओह... क्या अहसास था... आज तक नंगा बदन सिर्फ़ पोर्न फिल्म में देखा था और आज असलियत में छू कर पता लगा कि क्या अहसास होता है। मेरे बदन की नसें तन गयी गर्म हो गयी।

उधर मेरा लंड आजतक के अपने सबसे सख्त अंदाज़ में तन गया ; लंड इस कदर टाइट हो गया कि मुझे दर्द होने लगा।

अब मेरे मन में थोड़ा और पाने की लालसा हुई, मैंने पहले उठ कर दीदी के चेहरे को देखा तो पाया वो थकन से गहरी नींद में सो रही थी। मैं फिर उनकी गांड की तरफ आया और उनके एक चूतड़ पर से उनकी पैंटी की लेस पकड़ कर एक तरफ खिसकने लगा।

तभी दीदी ने करवट ली ; मेरी तो गांड ही फट गयी और मैं तुरंत अपने बेड पर आकर बैठ

गया। करवट बदलने से दीदी पीठ के बल सो रही थी और अब उनकी पैंटी में छुपी हुई पाव जैसी फूली हुई चूत मुझे ललचा रही थी।

थोड़ी देर तक स्थिति का जायज़ा लेने के बाद जब मैं आश्वस्त हुआ कि वो अब भी गहरी नींद में हैं तो मैं फिर उनके बेड के पास पहुँच गया। अब मैंने उनके पेट की तरफ से उनकी पैंटी को धीरे धीरे नीचे खिसकाया। जैसे जैसे पैंटी खिसक रही थी, मेरा दिल मेरे दिमाग में धाड़ धाड़ कर के टोकर मार रहा था।

जब पैंटी जांघों पर खिसक गयी तो मेरे सामने दुनिया की सबसे खूबसूरत चीज़ थी। दीदी की चूत भी उनके बाकी बदन की तरह गुलाबी गोरे रंग की थी। उनकी चूत ने कस कर अपने होंठ भींच रखे थे जैसे कभी उस लकीर को अलग होने का मौका ही नहीं मिला था। उनकी चूत पर एक भी बाल नहीं था एक चिकनी फूली हुई गुलाबी चूत जैसा पोर्न में भी कभी नहीं देखा था।

अचानक मुझे लगा कि दीदी हिल रही है। मैंने जल्दी से पैंटी ठीक की और अपने बेड पर लेट गया।

बस तभी दीदी जाग गयी और उठ बैठी ; उठते ही उन्हें अपनी हालत का अंदाज़ा हुआ और उन्होंने स्कर्ट ठीक करते हुए मेरी तरफ देखा। मैंने चेहरा दूसरी तरफ घुमा लिया था। उन्होंने आवाज़ दी- आर्य !

तो मैंने उनकी तरफ देखा।

उन्होंने पूछा- सोये नहीं अब तक तुम ?

मैंने कहा- मैं तो सो गया था दीदी, पर अचानक आँख खुल गयी और बेचैनी सी हो रही है।

उन्होंने कहा- अच्छा रुको मैं आती हूँ.

और वो बाथरूम चली गयी।

जब वो लौट कर आई तो पूछा- क्या हुआ ? क्यों बेचैनी हो रही है ?

मैंने कहा- पता नहीं ।

वो उठ कर मेरे बेड पर आ गई और मेरा सिर सहलाते हुए बोली- होता है यार, जब बोर्ड क्लास में आता है बंदा, तो टेंशन हो ही जाती है ।

मैंने कहा- अरे नहीं दीदी, मुझे पढ़ाई को लेकर बेचैनी नहीं हो रही है ।

वो बोली- फिर क्यों परेशान हो ?

मैंने कहा- छोड़िये, आपको नहीं बता सकता ।

वो बोली- अरे ऐसा क्या है जो मुझे नहीं बता सकते ?

मैंने कहा- दीदी, मुझे नींद नहीं आ रही थी तो मैं एक कहानी पढ़ने लगा, बस वही कहानी पढ़ कर मैं बेचैन हो गया हूँ ।

उन्होंने कहा- देखूँ ज़रा कौन सी कहानी है ?

मैंने कहा- अरे, वो आपके पढ़ने लायक नहीं है, वैसी वाली कहानी है ।

“कैसी वाली कहानी... क्या बोल रहे हो ? मुझे तो कुछ समझ नहीं आ रहा ।”

मैंने कहा- छोड़ो, आप सो जाओ ।

वो ज़िद करने लगी... कहने लगी- दिखाओ कौन सी कहानी है ?

मैंने कहा- ठीक है, पर आप गुस्सा मत होना और किसी को बताना मत कि मैं ऐसी कहानियाँ पढ़ता हूँ. मैं आपको वाट्सएप्प पर कहानी भेजता हूँ.

वो बोली- ठीक है, भेजो ।

मैंने जल्दी से अपने फोन पर अन्तर्वासना का पेज खोला और एक भाई बहन की कहानी कॉपी कर के दीदी को भेज दी ।

दीदी ने कहानी पढ़नी शुरू की, जैसे जैसे वो कहानी पढ़ती जाये वैसे वैसे उनका चेहरा लाल होता जाये ।

जब उन्होंने कहानी पढ़ ली तो आँख बंद करके लेट गयी। मेरी हालात खराब हुई कि कहीं ये किसी को बता न दे।

मैंने पूछा- क्या हुआ दीदी ?

वो कुछ नहीं बोली तो मैंने फिर पूछा।

वो बोली- ये तो है ही ऐसी कहानी कि बेचैन कर दे... बेवकूफ़ तुम ऐसी गन्दी कहानियाँ क्यों पढ़ते हो ?

मैंने कहा- दीदी क्या करूँ, आदत लग गयी है, बिना पढ़े रहा नहीं जाता।

दीदी ने कहा- अपने दिमाग को शांत करो और सो जाओ।

इतना कह कर वो मेरी तरफ पीठ करके सोने की एक्टिंग करने लगी।

मैं समझ गया कि वो भी गर्म हो गयी हैं, मैंने कहा- दीदी, आपसे कुछ कहूँ, बुरा तो नहीं मानोगी ?

वो बोली- आर्य सो जाओ, बहुत रात हो गयी है।

मैंने कहा- दीदी प्लीज सुन तो लो।

वो वैसे ही लेटे लेटे बोली- अच्छा बोलो, क्या बात है ?

मैंने कहा- दीदी, मुझे आपको छू कर देखना है एक बार...

वो एकदम से मेरी ओर पलट कर बोली- क्या मतलब ?

मैंने कहा- दीदी, एक आप ही हो जिससे मैं इतनी बातें कर लेता हूँ, अपने दिल की बात बता लेता हूँ... इसी लिए आपसे रिक्वेस्ट कर रहा हूँ... ज्यादा नहीं, बस एक बार ऊपर वाले दिखा दो।

वो कुछ नहीं बोली और फिर दूसरी तरफ मुँह कर के लेट गयी।

मैं लगातार मिन्नत करता रहा कि दिखा दो... दिखा दो।

आखिर वो मेरी तरफ पलटी और बोली- नहीं यार, यह गलत है, हम भाई बहन हैं।

मैंने कहा- दीदी, इसीलिए तो मैं चाहता हूँ कि यह बात किसी को पता न चले। हम दोनों आपस में रखेंगे ये बात और मेरा बोर्ड भी बर्बाद होने से बच जाएगा वरना मैं फ़ेल हो जाऊंगा। प्लीज यार दीदी, बचा लो मुझे।

वो सोचने लगी, फिर बोली- सिर्फ ऊपर वाला देख लो, वो भी सिर्फ आज... दोबारा मत कहना।

मैंने झट से कहा- पक्का।

उन्होंने कहा- लाइट बंद कर दो और इधर आ जाओ।

मैंने कहा- फिर देखूंगा कैसे ?

वो हँसी और बोली- अच्छा बाबा, आ जाओ, मैं ही आँख बंद कर लेती हूँ।

मैंने मुस्कराते हुए थैंक्यू कहा और उठ कर दीदी के बगल में बैठ गया। दीदी ने अपना एक हाथ सर पर रख कर आँख बंद कर ली। मैंने धीरे धीरे उनके टॉप के बटन खोलने शुरू किये पेट से चूचियों की तरफ।

जब मैं धीरे धीरे ऊपर के बटन खोल रहा था तो दीदी की चूचियों का निचली गोलाई नज़र आने लगी मेरा लंड ज़बरदस्त सलामी देते हुए मेरे शॉर्ट्स में तंबू बना चुका था।

अब मैंने दीदी के टॉप का आखिरी बटन खोल कर उनका टॉप सर की साइड से निकलना चाहा तो उनका हाथ अड़ गया।

मैंने कहा- दीदी, हाथ सीधा करो।

उन्होंने हाथ सीधा किया तो मैंने टॉप तुरंत उनके बदन से अलग कर दिया।

उन्होंने ब्रा नहीं पहनी थी। जैसे ही उन्होंने हाथ नीचे किया तो उनका एक हाथ मेरे खड़े लंड पर पड़ा और उन्होंने चौंक कर उधर देखा। वो बोली- ये शॉर्ट्स में क्या छुपा रखा है तुमने ?

मैंने कुछ नहीं कहा तो वो टटोल कर देखने लगी लगी और उनका मुँह खुल गया, आश्चर्य

से मेरी तरफ देखती हुई वो बोली- आर्य तुम्हारा सुसु इतना बड़ा और मोटा कैसे हो गया ?
डॉक्टर को दिखाया या नहीं ?

मैं हँसने लगा, मैंने कहा- दीदी, लड़कों का लंड ऐसे उम्र के साथ बड़ा और मोटा हो जाता है।

तो उन्होंने कहा- पर ये इतना हार्ड क्यों हो गया है ? तुम्हें दिक्कत नहीं हो रही ?
अभी भी उनका हाथ मेरे लंड को दबा दबा कर पकड़ कर नापने टटोलने में लगा हुआ था।

मैंने कहा- दीदी, जब लड़का उत्तेजित हो जाता है तो उसका लण्ड ऐसे ही सख्त हो जाता है
वर्ना मुलायम लण्ड चूत में कैसे जाएगा।

दीदी ने बड़ी मासूमियत से पूछा- ये लण्ड और चूत क्या है ?

मैंने कहा- जिसे आपने हाथ में पकड़ा है, इसे लंड कहते हैं.

और फिर मैंने दीदी की स्कर्ट में हाथ डाल कर उनकी चूत को पैंटी के ऊपर से ही दो
उंगलियों के बीच में दबाते हुए कहा- इसे चूत कहते हैं।

दीदी के मुँह से सिसकारी निकल गयी और वो मदहोश सी आवाज़ में बोली- क्या पूरे को
चूत कहते हैं ?

मैंने अपनी एक उंगली पैंटी के ऊपर से ही उनके छेद पर थोड़ा अंदर दबाते हुए कहा- नहीं,
ये है असली चूत।

दीदी का चेहरा लाल हो गया था, मैं समझ गया कि वो गर्म हो गयी हैं।

फिर मैंने अपने हाथों को तेज़ चलते हुए उनकी दोनों चूचियाँ बारी बारी दबानी शुरू कर दी,
बीच बीच में उनके चूचुकों को उंगलियों से मसल देता। दीदी लगातार 'स्स स्स... बस
करो... हो गया न स्स अब देख लिया न...' बड़बड़ा रही थी और मेरे लंड और बॉल्स को
मसल रही थी।

फिर एकदम से वो उठ बैठी और मुझे अलग करते हुए कहा- तुमने ऊपर का देखने को बोला था, अब हो गया सो जाओ।

मैंने कहा- दीदी, अभी तो कुछ हुआ ही नहीं, तुमने बातों में उलझा दिया।

उन्होंने कहा- अब और क्या करना है? हो तो गया।

मैंने कहा- अरे अभी तो तुम्हारी चूचियों को चूसना है, तुम्हारी चूत को किस करना है।

वो आश्चर्य से बोली- छी... वो भी कोई किस करने की जगह है, वहाँ तो बाल ही बाल होते हैं और गन्दी होती है।

मैंने कहा- पर आपके कोई बाल नहीं हैं और एकदम गोरी सी पिक पिक है।

उन्होंने चौंकते हुए मेरी तरफ देखा- तुमने कब देख लिया कि मेरे वहाँ बाल नहीं हैं? कहीं तुमने मुझे कपड़े बदलते हुए तो नहीं...

“नहीं नहीं... मतलब सोते हुए...”

“ओह, तुम बहुत बदतमीज और बेशर्म हो आर्य?”

मैंने कहा- नहीं दीदी, मैंने तो बस अंदाज़ा लगाया।

पर वो ज़िद पर अड़ गयी फिर मैंने उन्हें सब बता दिया।

उन्होंने कहा- बस अब बहुत हो गया, मुझे कपड़े पहनने दो, मुझे शर्म आ रही है।

मैंने फिर मिन्नत की तो वो मुझे चूचियाँ चूसाने को तैयार हो गयी और फिर से लेट गयी।

मैंने लपक कर उनके एक चुचे को मुँह में भर लिया और चूसने लगा, बीच बीच में मैं चूचुकों को दांतों से दबा देता तो दीदी सिसक उठती।

बारी बारी दोनों चूचियों को चूसने के बाद मैंने चूचियों की निचली गोलाइयों को जीभ से चाटना शुरू किया. दीदी ने मेरे बालों को पकड़ कर अपने चूचों पर दबाना शुरू कर दिया। अब मैंने नीचे खिसकते हुए दीदी को पेट पर चाटना किस करना शुरू किया, दीदी बार बार

‘स्स धीरे करो न आर्य... प्लीज स्स हल्के से...’ प्लीज बोल रही थी।

मैंने दीदी की गोल नाभि में अपनी जीभ डाल कर घुमाना शुरू कर दिया. दीदी एकदम से चिहूँक पड़ी और ‘आआह्ह स्स मम्मम’ जैसी आवाजें कर रही थी।

अब मैंने दीदी की पैंटी की इलास्टिक दोनों साइड से पकड़ कर नीचे खिंचनी चाही पर वो उनके भारी चूतड़ों में अटक गयी। मैंने आशा भरी नज़रों से दीदी को देखा तो उन्होंने मुस्कराते हुए पहले ना में सिर हिलाया पर फिर अपनी गांड हल्की सी उठा दी। मैंने उनकी पैंटी को खींच के अलग कर दिया।

उन्होंने शर्मा कर अपनी मुनिया को एक हाथ से ढक लिया ; मैंने उनके हाथ पर किस किया फिर उनकी केले की तने जैसी जांघों को चूसना किस करना शुरू कर दिया। अब दीदी का हाथ खुद चूत पर हट कर मेरे सर को सहला रहा था। उन्होंने धीरे धीरे मेरी पीठ पर हाथ फेरा और मेरी जांघ दबाने लगी।

मैंने उठकर अपने शॉर्ट्स उतार दिए अब मेरा 7” का लण्ड मुँह उठाये हवा में तना हुआ था। दीदी बड़े गौर से मेरे लंड को अपलक निहार रही थी।

मैंने पूछा- क्या देख रही हो ?

वो बोली- पैंट में ये डरावना लग रहा था पर अब सुन्दर लग रहा है।

मैंने लंड उनके हाथ में दे कर ऊपर नीचे करने को कहा और खुद उनकी चूत से मुँह चिपका दिया।

क्या बताऊँ दोस्तो, ऐसी मखमली चूत की आप कल्पना भी नहीं कर सकते। मैंने दीदी की चूत की लकीर में ऊपर नीचे जीभ फिराई फिर एक बार में चूत को मुँह में भर लिया। दीदी मचल उठी और जोर जोर से मेरा लंड हिलाने लगी... साथ में बड़बड़ा रही थी- आआह

मम्मम्म आर्य चूसो चूसो... आआह स्स्स ओह्ह... मम्मम्म आर्य प्लीज आआह...

अब मैंने दो उंगलियों से चूत खोली और जीभ अंदर डालने लगा, दीदी की तड़प बढ़ चुकी थी। मैंने दीदी की चूत को बदस्तूर जीभ से चोदना चालू रखा।

दोस्तो, मुझे उस समय क्लाइटोरिस यानि चूत के दाने का ज्ञान नहीं था तो मैं पूरी चूत को ऊपर से नीचे तक खूब चाटा। दीदी की चूत ने पानी छोड़ना चालू कर दिया था, गुलाबी चूत से नमकीन पानी निकल कर मेरे मुँह में गजब का स्वाद बना रहा था। मेरा एक हाथ दीदी की चूचियों, पेट और चूतड़ों को दबा रहा था।

उधर दीदी ने मेरे लंड का रस निचोड़ने की पूरी कोशिश शुरू कर दी थी।

मैं मौका देख कर दीदी के ऊपर आ कर लेट गया, अब मेरा लंड दीदी की चूत के ऊपर चिपक गया, मैंने वैसे ही ऊपर से दीदी की चूत पर लण्ड रगड़ना शुरू किया और अपने होंठ दीदी के पतले पतले होठों से चिपका दिए।

ऐसा करते ही दीदी की आँखें, जो अब तक बंद थी, खुल गयी और उन्होंने पहले मुझे हटाना चाहा पर जैसे ही मैंने जम कर किस किया, उन्होंने फिर आँखें बंद की और मम्मम्म हम्म की आवाज़ करने लगी।

मैंने थोड़ी देर दीदी को किस किया फिर उनकी गर्दन कान माथे को किस किया। जब मुझे लगा कि वो अब तैयार हैं और बार बार गांड उठा रही हैं तो मैंने एक हाथ से लण्ड को चूत के छेद पर सेट किया और धक्का दिया।

दीदी उतने में ही बिलबिला उठी और मुझे हटाने लगी, मेरे लण्ड का सुपारा उनकी चूत में फंस गया था।

मैं तो अभी से जन्नत में था। जब दीदी का विरोध कम हुआ तो मैंने उनके होठों को अपने होठों में कैद कर लिया और एक जोरदार झटका मारा। दीदी की चीख मेरे मुँह में घुट कर

रह गयी, उनकी आँखों से आंसू बहने लगे पर मेरा लण्ड पूरा चूत में समा गया था।

थोड़ी देर ऐसे ही रहने के बाद मैंने धीरे धीरे धक्के लगाने शुरू किये, थोड़ी सी कोशिश के बाद लण्ड चूत में आराम से फिसलने लगा।

अब दीदी भी मेरा साथ दे रही थी।

मैंने अपनी स्पीड तेज़ की और अब कमरे में हल्की हल्की ठप ठप पक पक की आवाज़ आ रही थी और उसमें घुली हुई थी हमारे सिसकारियाँ और तेज़ साँसों की आवाज़।

दीदी अब मुझसे ऐसे चिपकी हुई थी जैसे चन्दन से साँप लिपटा हो, दोनों के शरीर पसीने से चिप चिप हो गए थे। मुझे महसूस हुआ कि मैं झड़ने वाला हूँ और दीदी झड़ चुकी हैं।

मैंने अपना लण्ड बाहर खींचा तो थोड़ा डर गया क्योंकि उस पर खून लगा हुआ था।

फिर मुझे याद आया कि दीदी वर्जिन हैं।

मैंने बिना समय बिताये अपना लण्ड दीदी की चूचियों के बीच दबाया और तेज़ तेज़ धक्के मारने लगा। दीदी ने देखने के लिए सर उठाया तो मेरा लण्ड उनके होठों से टकराया, उन्हें शायद अच्छा लगा और वो बीच बीच में लण्ड को किस करने लगी।

तभी मेरा लावा फूट पड़ा। उतना माल मेरा कभी भी नहीं निकला था, मैंने सारा माल दीदी की चूचियों पर निकाल दिया।

जब दीदी ने देखा तो गुस्सा करने लगी, पर मैंने कहा- दीदी, ये शुद्ध प्रोटीन है, चाट लो।

वो बोली- तुम्ही चाट लो!

मैंने कहा- मैंने अपने हिस्से का प्रोटीन तो कब का पी लिया।

तो वो शर्मा गयी और उन्होंने एक उंगली से थोड़ा सा वीर्य चाट लिया और बोली- इतना प्रोटीन काफी है, फिगर खराब हो जाएगा वरना!

मैं दीदी के बगल में ही लेट गया, अब दीदी मेरे मुरझाये लण्ड को सहला रही थी और मैं दीदी की चूचियों को सहला रहा था।

दीदी बोली- इसकी तो सब अकड़ निकाल दी मैंने!

तो मैंने कहा- तुमने नहीं, तुम्हारी चूत ने! पर इसने भी तो तुम्हारी चूत खोद कर पानी निकल दिया।

हम दोनों हँसने लगे।

मैंने पूछा- दीदी, तुम्हारी चूत पर बाल क्यों नहीं हैं?

दीदी बोली- बुद्धू, मैं हेयर रिमूवर से हटा देती हूँ ताकि हाइजीन बनी रहे। इसीलिए तो तुम भी आज इतने मजे से उसे चाट रहे थे।

यूँ बातें करते करते हम दोनों नंगे एक साथ सो गए।

यह मेरी पहली कहानी थी, आपको मेरी कहानी कैसी लगी, प्लीज मुझे बतायें, मुझे मेल करें जिससे मैं दीदी की अगली चुदाई की कहानी और अपनी भतीजी की चुदाई की कहानी आपको पेश कर सकूँ।

मेरा मेल आईडी है aarya.kumar99@yahoo.com

लेखक की अगली कहानी : [भतीजी की कच्ची जवानी](#)

Other stories you may be interested in

मामी की बहन की चूत की खुजली

हाय दोस्तो, मैं राजू गोरखपुर का रहने वाला हूँ, ये मेरा सच्ची सेक्स कहानी आज से एक साल पहले की है. मैं अपने बारे में बता दूँ कि मेरी लंबाई साढ़े पांच फिट है. मेरे लंड का साइज भी बड़ा [...]

[Full Story >>>](#)

अनाड़ी का चोदना चूत का सत्यानाश-2

मेरी गर्लफ्रेंड के साथ सेक्स की सेक्स कहानी के पहले भाग अनाड़ी का चोदना चूत का सत्यानाश-1 में आपने पढ़ा था कि मेरी गर्लफ्रेंड ने मुझे अपने फ्लैट पर बुलाया था. उधर चाय आदि के बाद उसने मेरे साथ चूमा [...]

[Full Story >>>](#)

लागी छूटे ना चुदाई की लगन-1

मैं सीमा ... साहब के घर की केयर टेकर. दसवीं फेल हूँ. पर उससे पहले हर कक्षा में काफी मेहनत से पढ़ाई करती थी ... मतलब दो साल या तीन साल में एक कक्षा पास कर लेती थी. मेरी उम्र [...]

[Full Story >>>](#)

सगी बहन से निकाह करके सुहागरात-2

मेरी रिश्तों में चुदाई की सेक्स कहानी के पहले भाग सगी बहन से निकाह करके सुहागरात-1 में आपने पढ़ा कि मेरी छोटी बहन का निकाह मुझसे होना लगभग तय था. अब आगे : अम्मी ने रात को ही खाला को फोन [...]

[Full Story >>>](#)

कुंवारी बुर के साथ एक प्यासी चूत मिली

मेरा नाम विनय कुमार है। मैं बिहार से हूँ. मेरी उम्र 25 साल, हाइट 6 फिट और लंड 6 इंच का है. शरीर सुडौल है। स्कूल के दिनों में मैं बहुत शर्मिला था लेकिन छुप कर लड़कियों के उरोज देखने [...]

[Full Story >>>](#)

